



सुविचार- अगर आप दूसरों के बारे में भी सोचते हैं तो आप सच्चे इंसान हैं.

## कहानी

# ईमानदार लकड़हारे की सीख

बहुत समय पहले की बात है, एक छोटे से घर-भरे गाँव में एक नन्हा सा लड़का रहता था, जिसका नाम गोलू था. गोलू बहुत चंचल, जिज्ञासु और शरारती था. उसकी सबसे पसंदीदा जगह थी अपने घर का आंगन, जहाँ हर शाम नीम के पेड़ के नीचे उसकी दादी खाट बिछाकर बैठती थीं और दादाजी पास में हुक्का गुड़गुड़ाते हुए बच्चों को कहानियाँ सुनाया करते थे. गाँव के सारे बच्चे वहाँ इकट्ठा हो जाते, क्योंकि दादी-दादा की कहानियों में जादू होता था—एसा जादू जो मन को छू जाता और दिल में कोई न कोई सीख छोड़ जाता.



उस दिन भी सूरज ढल रहा था, चिड़ियाँ अपने घोंसलों की ओर लौट रही थीं और ठंडी हवा बहने लगी थी. दादी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं तुम्हें एक ऐसी कहानी सुनाऊँगी, जो तुम्हें पूरी जिंदगी याद रहेगी.' गोलू ध्यान से दादी के पास बैठ गया. दादी ने कहानी शुरू की—कभी इसी गाँव के पास एक जंगल हुआ करता था, जिसमें एक ईमानदार लकड़हारा रहता था. वह रोज सुबह जल्दी उठकर जंगल जाता, लकड़ी काटता और उसे बेचकर अपने परिवार का पेट पालता. वह बहुत गरीब था, लेकिन कभी किसी का हक नहीं मारता था.

लकड़ी काट रहा था कि अचानक उसकी कुल्हाड़ी हाथ से फिसलकर नदी में गिर गई. वह बहुत दुखी हुआ और रोने लगा, क्योंकि वही उसकी रोजी-रोटी का साधन थी. तभी नदी से एक चमकदार पत्थर निकली और बोली, 'तुम क्यों रो रहे हो?' लकड़हारे ने सच-सच सारी बात बता दी. पत्थर पहले सोने की कुल्हाड़ी लेकर आई, फिर चाँदी की, लेकिन लकड़हारे ने कहा, 'यह मेरी नहीं है.' अंत में जब लोहे की कुल्हाड़ी आई तो उसने खुशी से कहा, 'यह मेरी है.' उसकी ईमानदारी से खुश होकर पत्थर ने तीनों कुल्हाड़ियाँ उसे दे दीं. दादी ने कहानी रोककर गोलू से पूछा, 'बेटा, इस कहानी से क्या सीख मिलती है?'

गोलू बोला, 'ईमानदारी का फल मीठा होता है.' दादी मुस्कुरा दीं और कहानी आगे बढ़ाई. उन्होंने बताया कि उसी जंगल में एक लालची व्यापारी भी रहता था, जिसने लकड़हारे की कहानी सुनकर लालच में आकर अपनी कुल्हाड़ी नदी में फेंक दी. जब पत्थर आई और सोने की कुल्हाड़ी दिखाई, तो वह झट से बोला, 'यही मेरी है.' पत्थर उसके झूठ और लालच से नाराज हो गई और उसे कुछ भी नहीं दिया.

दादी ने धीरे से कहा, 'देखो बच्चों, लालच इंसान को खाली हाथ कर देता है.' गोलू यह सब बड़े ध्यान से सुन रहा था. तभी दादाजी बोले, 'कहानी सिर्फ सुनने के लिए नहीं होती, जीने के लिए होती है.'

फिर उन्होंने अपनी एक बात साझा की—जब वे छोटे थे, तो एक बार रास्ते में उन्हें पैसे मिले थे, लेकिन उन्होंने वह पैसे उनके मालिक को लौटा दिए थे, और उसी ईमानदारी को वजह से उन्हें गाँव में सम्मान मिला. रात गहराने लगी थी, आकाश में तारे टिमटिमा रहे थे और बच्चे कहानी सुनकर खुश थे. गोलू ने दादी का हाथ पकड़कर कहा, 'दादी, मैं भी हमेशा सच बोलूँगा और कभी लालच नहीं करूँगा.' दादी ने उसके सिर पर हाथ फेरते हुए कहा, 'बस यही तो हम चाहते हैं.'

बच्चे अपने-अपने घर चले गए, लेकिन दादी-दादा की कहानी उनके दिलों में बस गई. गोलू उस रात सोते वक्त भी यही सोच रहा था कि अगर वह ईमानदार रहेगा, मेहनत करेगा और बड़ों की बात मानेगा, तो जिंदगी में कभी खाली हाथ नहीं रहेगा. और सच में, वह कहानी सिर्फ एक कहानी नहीं थी, बल्कि जीवन की राह दिखाने वाली रोशनी थी, जो दादी-दादा की आवाज में पीढ़ियों तक चलती रहती है.

## सीख

ईमानदारी और सच्चाई हमेशा जीतती है, जबकि लालच इंसान को नुकसान पहुँचाता है.

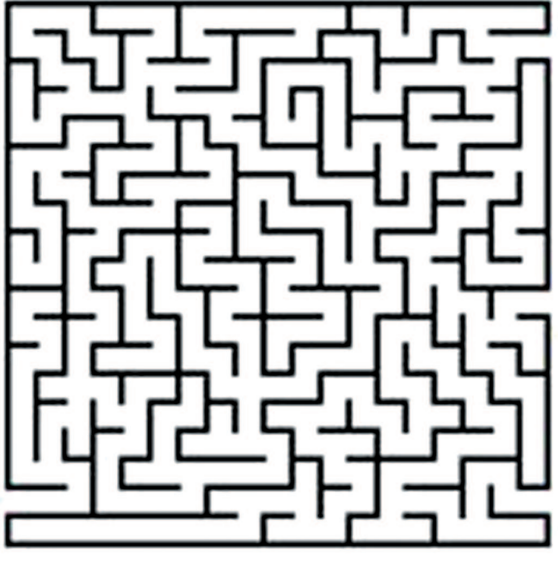
## अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूँढकर निकालें.



1. लकड़हारे की कुल्हाड़ी नदी में गिर गई. 2. लकड़हारे ने लालच में आकर अपनी कुल्हाड़ी नदी में फेंक दी. 3. लकड़हारे ने सोने की कुल्हाड़ी, चाँदी की कुल्हाड़ी और लोहे की कुल्हाड़ी प्राप्त की. 4. लकड़हारे ने लालच से नाराज हो गई और उसे कुछ भी नहीं दिया.

## भूल भुलैया



## जानकारी

# चंद्रयान : भारत की चाँद पर उड़ान

भारत के अंतरिक्ष विज्ञान में चंद्रयान मिशन एक बड़ी उपलब्धि है. चंद्रयान का मतलब है 'चाँद का वाहन'. इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, यानी इसरो ने बनाया है. इसका मुख्य उद्देश्य चाँद के बारे में जानकारी जुटाना और अंतरिक्ष विज्ञान में भारत को आगे बढ़ाना है. चंद्रयान मिशन से हम चाँद की सतह, मिट्टी, खनिज और पानी के छोटे-छोटे अंशों का अध्ययन कर सकते हैं.

भारत ने अब तक दो मुख्य चंद्रयान मिशन भेजे हैं. पहला मिशन चंद्रयान-1 था, जो 2008 में लॉन्च हुआ. यह भारत का पहला चाँद मिशन था और यह पूरी दुनिया में भारत की वैज्ञानिक क्षमता को दिखाने वाला मिशन बन गया. चंद्रयान-1 ने चाँद पर पानी की उपस्थिति का पता लगाया, जो अंतरिक्ष और भविष्य की मानव यात्रा के लिए बहुत महत्वपूर्ण था. इस मिशन ने चाँद की सतह की उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें भी भेजी. दूसरा मिशन चंद्रयान-2 था, जो 2019 में लॉन्च हुआ. इसमें ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर थे. ऑर्बिटर अभी भी चाँद के चारों ओर घूम रहा है और लगातार डेटा भेज रहा है. इसका रोवर 'प्रज्ञान' चाँद की सतह पर चलकर मिट्टी और चट्टानों का

अध्ययन करने वाला था. हालाँकि लैंडर को चाँद पर सॉफ्ट लैंडिंग में थोड़ा चुनौतीपूर्ण समय आया, लेकिन मिशन पूरी तरह से सफल रहा क्योंकि ऑर्बिटर ने बहुत सारी महत्वपूर्ण जानकारी भेजी.

चंद्रयान मिशन से बच्चों और वैज्ञानिकों को चाँद के बारे में नई बातें सीखने का मौका मिला है. हमने जाना कि चाँद पर पानी के अंश हैं, वहाँ की मिट्टी किस प्रकार की है और चाँद के वातावरण में बहुत कम ऑक्सीजन होती है. ये जानकारी भविष्य में मानव मिशन और चाँद पर बसेरा बनाने में मदद करेगी.

चंद्रयान मिशन ने भारत को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष विज्ञान में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है. यह मिशन हमें यह सिखाता है कि कठिन परिश्रम, विज्ञान और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है. बच्चों के लिए यह प्रेरणा का स्रोत है कि अगर हम सीखने और खोजने की जिज्ञासा बनाए रखें, तो हम अंतरिक्ष जैसी अद्भुत चीजों को भी समझ सकते हैं.

भारत के चंद्रयान मिशन ने न केवल देश का नाम रोशन किया है, बल्कि हमें यह भी सिखाया कि बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की कोशिश करने वाले हमेशा सफल होते हैं.

# तिरंगे से जुड़े रोचक तथ्य

▶ तिरंगे में केसरिया रंग साहस और बलिदान का प्रतीक है.  
▶ सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक है.  
▶ हरा रंग धरती, कृषि और समृद्धि का प्रतीक है.  
▶ तिरंगे के बीच में नीला अशोक चक्र है, जिसमें 24 धारियाँ हैं.  
▶ अशोक चक्र धर्म और

जीवन की निरंतर गति दर्शाता है.  
▶ भारत का आधिकारिक तिरंगा 22 जुलाई 1947 को अपनाया गया.  
▶ स्वतंत्रता आंदोलन में तिरंगा पहली बार 1906 में सम्मान से रखा गया.  
▶ तिरंगे के बीच में नीला अशोक चक्र है, जिसमें 24 धारियाँ हैं.  
▶ शुरुआती तिरंगे में पीला रंग था, बाद में इसे



केसरिया में बदला गया.  
▶ तिरंगे को कभी जमीन पर नहीं गिराया जाता और इसे सम्मान से रखा जाता है.  
▶ तिरंगा झंडा भारतवासियों के स्वाभिमान और देशभक्ति का प्रतीक है.

## प्रेरक प्रसंग

राजा राम मोहन राय भारतीय समाज के एक महान सुधारक थे जिन्होंने समाज में कई बुरी प्रथाओं और अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाई. उन्होंने देखा कि उस समय समाज में कई ऐसी प्रथाएँ चल रही थीं जो लोगों के लिए नुकसानदेह और गलत थीं. सबसे बड़ा काम उन्होंने सती प्रथा को बंद करवाने का किया, जिसमें विधवाओं को उनके पति के शव के साथ जला दिया जाता था. राजा राम मोहन राय ने इसे रोकने के लिए लोगों को समझाया, आंदोलन किया और अंग्रेज सरकार के सामने इसे कानून के जरिए खत्म करने की बात रखी. उनके प्रयासों से 1829 में यह प्रथा बंद हो गई.

# ईमानदारी और शिक्षा के राजा राम मोहन राय

इसके अलावा उन्होंने महिलाओं की शिक्षा पर जोर दिया. उस समय लड़कियों को स्कूल भेजा नहीं जाता था, लेकिन राजा राम मोहन राय ने कई स्कूल खोले और समाज को बताया कि लड़कियों को पढ़ाई का उतना ही अधिकार होना चाहिए जितना लड़कों को. उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा से लोग अपने जीवन में सही और गलत का फर्क समझ सकते हैं और समाज में बदलाव ला सकते हैं. राजा राम मोहन राय ने 1828 में ब्राह्म समाज की स्थापना की.

इस समाज का उद्देश्य था लोगों को अंधविश्वास, रूढ़िवाद और अन्य गलत प्रथाओं से

बाहर निकालना और उन्हें तर्कसंगत सोच, धर्म में सुधार और सामाजिक बदलाव के महत्व के बारे में बताना. उन्होंने हमेशा कहा कि सभी धर्म समान हैं और किसी को किसी से बड़ा या छोटा नहीं समझना चाहिए. उन्होंने पत्र-पत्रिकाओं और प्रेस के माध्यम से लोगों को जागरूक किया और समाज में सुधार की बातें लिखीं.

वे जातिवाद, भेदभाव और अन्य बुराइयों के खिलाफ भी आवाज उठाते रहे. राजा राम मोहन राय के कामों की वजह से समाज में समानता, शिक्षा और सुधार की महत्वपूर्ण बातें फैल सकीं. उन्होंने यह सिखाया कि अगर हम सोच और ज्ञान का



इस्तेमाल करें, तो समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है. उनके प्रयासों ने भारतीय समाज को आधुनिक और प्रगतिशील बनाने में मदद की और आज भी बच्चों और बड़ों के लिए यह प्रेरणा का स्रोत है.

उनका जीवन यह साबित करता है कि सच्चाई, ईमानदारी और शिक्षा से समाज में हमेशा सुधार हो सकता है और हर व्यक्ति के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित किया जा सकता है.

## बूझो तो जार्न

■ मेरा नाम पाँच अक्षरों का है, मैं सुबह आती हूँ और रात में जाती हूँ. बताओ मैं कौन हूँ?  
उत्तर: सूरज  
■ सबको मैं देता हूँ खुशियाँ, मेरे बिना सब कुछ सूना है. बताओ मैं कौन हूँ?  
उत्तर: पानी  
■ मैं न जमीन हूँ, न आसमान, फिर भी ऊपर से नीचे उतरता हूँ बिना थकान.  
उत्तर: बारिश  
■ मैं सफेद हूँ, मीठा हूँ, सब बच्चे मुझे बहुत पसंद करते हैं.  
उत्तर: दूध  
■ मैं चलता हूँ बिना पैरों के, बोलता हूँ बिना मुँह के.  
उत्तर: घड़ी  
■ मेरा रंग हरा है, मैं खेतों में रहता हूँ, मुझे काटो तो स्वाद आता है.  
उत्तर: गेहूँ  
■ दिन में सोता हूँ, रात में जागता हूँ, अंधेरे में चमकता हूँ, और आसमान में रहता हूँ.  
उत्तर: तारा  
■ मैं चलता हूँ बिना पाँव के, पीला हूँ और गर्मा लाता हूँ.  
उत्तर: सूरज की रोशनी

## हंसी-ठिटोली

■ पप्पू डॉक्टर के पास गया. डॉक्टर: 'क्यों आए हो?'  
पप्पू: 'डॉक्टर साहब, मैं भूलने लगा हूँ.'  
डॉक्टर: 'कब से?'  
पप्पू: 'कब से क्या?'  
■ टीचर: 'तुम्हारे घर में बिजली कैसे आती है?'  
बच्चा: 'सर, सॉकेट से.'  
टीचर: 'और?'  
बच्चा: 'बस यही और क्या?'  
■ मम्मी: 'अगर तुम अच्छे बच्चे बनोगे तो तुम्हें चॉकलेट दूँगी.'  
बच्चा: 'आम में बुरा बच्चा बनूँ तो?'  
मम्मी: 'तो तुम्हें वही मिलेगा जो बुरे बच्चे को मिलता है... मार!'  
■ पप्पू: 'टीचर, मैं स्कूल क्यों आता हूँ?'  
टीचर: 'ताकि तुम पढ़ सको.'  
पप्पू: 'अगर मैं पढ़ना ही नहीं चाहता तो?'  
टीचर: 'तो घर बैठो, पर पढ़ाई होगी!'  
■ बच्चा अपने दोस्त से: 'मुझे पता है मैं सुपरहीरो हूँ.'  
दोस्त: 'कैसे?'  
बच्चा: 'क्योंकि मम्मी कहती है, 'तुम अपने कमरे की चीजें तुरंत गायब कर देते हो.'  
■ बबलू डॉक्टर के पास गया.  
डॉक्टर: 'तुम्हें किस चीज से एलर्जी है?'  
बबलू: 'होमवर्क से!'

# आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)

(CIN-L65110TN2014PLC097792)

रजिस्टर्ड ऑफिस: के.आरएम टॉवर, 8वां तल, हेरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई-600031  
फोन: +91 44 4564 4000, फैक्स: +91 44 4564 4022

## वित्तीय आस्थितियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना

निम्नलिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) से नीचे उल्लिखित सुरक्षित ऋण प्राप्त किए हैं. नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं के ऋण उनकी संबंधित संघियों के बंधक द्वारा सुरक्षित किए गए हैं. चुकि वे संबंधित ऋण समझौते की शर्तों का पालन करने में विफल रहे हैं और अधिव्यक्ति हो गए हैं, इसलिए उनके ऋण को आरबीआई द्वारा-निर्देशों के अनुसार पुनर्गठन के रूप में प्राधिकृत किया गया है. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को उनके द्वारा देय राशि का उल्लेख संबंधित नोटिस के अनुसार किया गया है, जो विशेष रूप से निम्नलिखित तालिका में वर्णित है और उक्त राशियों पर आम ब्याज भी लागू होगा और उन्ही पर संबंधित तिथियाँ से अनुसूचित रूप से उधार शुल्क लिया जाएगा.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेवसन 13 (2) नोटिस तिथि	सेवसन 13 (2) नोटिस अनुसार बकया राशि
----------	----------------	---------------	-------------------------	-------------------------------------

1. 105608191 संघित पर ऋण 4-12-2025 रु. 5,82,075.20/-

डेनवार और सह-डेनवारों का नाम:- 1. जीतेंद्र सिंह 2. सुरीला बाई सेखर  
संघित का पता: मकान नंबर 72 का पूरा टुकड़ा और पार्सल, कुल प्लॉट एरिया 1122 वर्ग फुट, जो पी.एच. नंबर 04, गांव पोनासा, तहसील हाटगिरीपलिया, जिला देवास, मध्य प्रदेश-455223 में स्थित है, और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं- पूर्व- गोवर्धन सिंह का मकान, पश्चिम- खुद की जमीन, उत्तर- काकत का मकान, दक्षिण- रास्ता.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेवसन 13 (2) नोटिस तिथि	सेवसन 13 (2) नोटिस अनुसार बकया राशि
----------	----------------	---------------	-------------------------	-------------------------------------

2. 108505619 संघित पर ऋण 06.12.2025 रु. 5,91,022.75/-

डेनवार और सह-डेनवारों का नाम:- 1. लखन सिंह 2. कविता बाई  
संघित का पता: मकान नंबर 22 का पूरा टुकड़ा और पार्सल, कुल प्लॉट एरिया 2520 वर्ग फुट, जो पी.एच. नंबर 03, गांव घाटियागुमसर, तहसील हाटगिरीपलिया, जिला देवास, मध्य प्रदेश-455223 में स्थित है, और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं- पूर्व- स्थानीय सड़क, पश्चिम- श्रीराम का मकान, उत्तर- मेहरवार सिंह का मकान, दक्षिण- स्थानीय सड़क.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेवसन 13 (2) नोटिस तिथि	सेवसन 13 (2) नोटिस अनुसार बकया राशि
----------	----------------	---------------	-------------------------	-------------------------------------

3. 84823085 संघित पर ऋण 30.12.2025 रु. 5,98,127.54/-

डेनवार और सह-डेनवारों का नाम:- 1. मिनून गुर्जर 2. रुखीया सिंह गुर्जर 3. सोनली बाई  
संघित का पता: मकान प्रॉपर्टी का पूरा टुकड़ा और पार्सल जिसका कुल एरिया 1664 वर्ग फुट (154.64 वर्ग मीटर) है, जो सर्वे नंबर 334 में स्थित है, गांव बुनागामन, पी.एच. नंबर 45, तहसील सोनकच्छ, जिला देवास, मध्य प्रदेश-455115, और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं- पूर्व- प्रकाश की संपत्ति, पश्चिम- सड़क, उत्तर- सड़क, दक्षिण- सड़क.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेवसन 13 (2) नोटिस तिथि	सेवसन 13 (2) नोटिस अनुसार बकया राशि
----------	----------------	---------------	-------------------------	-------------------------------------

4. 451254, 452611, 2273547 और 1278440 संघित पर ऋण 15.01.2026 रु. 95,03,149.66/-

डेनवार और सह-डेनवारों का नाम:- 1. मेसर्स अविश्वर बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड 2. अनिल खड्केलवाल 3. ममता खड्केलवाल 4. गिरिश खड्केलवाल 5. करिंता खड्केलवाल 6. निशित के.एम.प्रोटेक्टस प्राइवेट लिमिटेड

संघित का पता: भूमि का वह पूरा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 5500 वर्ग फुट (शुद्ध क्षेत्रफल 4487 वर्ग फुट) (बंगला नंबर 02, मंगलमती घाट), खसरा नंबर 204/1/2/9/1, सानगर नगर मुख्य सड़क पर स्थित, गांव विद्यावाड, पी.एच. नंबर 15/2, तहसील और जिला इंदौर, मध्य प्रदेश-452001, और सीमाएँ इस प्रकार हैं- पूर्व- दूसरे की जमीन, पश्चिम- हेमंत जैन की जमीन, उत्तर- इस खसरे की सीमाई हुई जमीन, दक्षिण- सड़क.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेवसन 13 (2) नोटिस तिथि	सेवसन 13 (2) नोटिस अनुसार बकया राशि
----------	----------------	---------------	-------------------------	-------------------------------------

5. 52427521 संघित पर ऋण 17.12.2025 रु. 2,54,273.82/-

डेनवार और सह-डेनवारों का नाम:- 1. श्यामलाल गुर्जर 2. बालूलाल गुर्जर 3. प्रेम गुर्जर  
संघित का पता: सर्व नंबर 419 में स्थित मकान प्रॉपर्टी का पूरा टुकड़ा और पार्सल, गांव सरसोवा, तहसील सोनकच्छ और जिला देवास (म.प्र.) पी.एच. एन. 48, जिसका कुल क्षेत्रफल 990 वर्ग फुट (92.00 वर्ग मीटर), और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं- उत्तर- रास्ता, दक्षिण- श्री शंभर सिंह की प्रॉपर्टी, पूर्व- श्री रामवरण सिंह की प्रॉपर्टी, पश्चिम- रास्ता.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेवसन 13 (2) नोटिस तिथि	सेवसन 13 (2) नोटिस अनुसार बकया राशि
----------	----------------	---------------	-------------------------	-------------------------------------

6. 108865465 संघित पर ऋण 14.01.2026 रु. 8,90,321.25/-

डेनवार और सह-डेनवारों का नाम:- 1. वीरेंद्र सिंह गौड़ 2. नरेंद्र सिंह गौड़ 3. रमना नरेंद्र सिंह  
संघित का पता: प्लॉट का पूरा टुकड़ा और पार्सल जिसका कुल क्षेत्रफल 2600 वर्ग फुट है, जो पी.एच.एन. 75 पर स्थित है, (सर्वे नंबर 185), गांव जलोढिया, तहसील और जिला देवास, मध्य प्रदेश-455118, और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं- पूर्व- रास्ता, पश्चिम- रास्ता, उत्तर- रास्ता, दक्षिण- नरवत सिंह का घर.

आपको उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए विवरण के अनुसार आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को संबंधित तिथियों से अनुबंधित ब्याज दर तथा अन्य लागत, प्रभार आदि के साथ इस प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा नीचे हस्ताक्षरकर्ता को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को देय राशि वसूलने के लिए ऊपर उल्लिखित बंधक संपत्तियों के विरुद्ध एफ.आर.एफ.ई.एस.आई अधिनियम की धारा 13 (4) तथा धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही आरंभ करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है). इसके अलावा, आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के तहत बिक्री / पट्टे या अन्यथा के माध्यम से उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है.

एसी/ /-  
प्राधिकृत अधिकारी  
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड  
दिनांक: 24.1.2026  
(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)

